08/1/21

अधि० प्रार्थिया व पेरोकार सरकार उपना रिपोर्ट प्राप्त है शामिल रहे। प्रार्थिया का मुख्तसर रूप से कथन है कि उसके पति रामप्रसाद की मृत्यु होने पर विरासत के समय उसका नाम सन्तोष के बजाय सन्तरा दर्ज कर दिया गया जबकि उसका सही नाम सन्तोष है। इसलिए खाता सं० ५१ किता ६ रकबा २.५४ है०, खाता सं० ५२ रकबा ०.५१ है० सम्वत् २०७१ से २०७४ बाके ग्राम कंवरावास में उसका नाम सन्तरा पत्नी रामप्रसाद के स्थान पर सन्तोष पत्नी रामप्रसाद दर्ज रिकार्ड फरमाया जावे।

पटवारी हल्का ने अपनी रिपोर्ट में दर्शाया है कि रामप्रसाद पुत्र सूरजमल की विरासत के समय सन्तरा पत्नी रामप्रसाद हुआ व राशन कार्ड, पहचान पत्र, भामाशाह कार्ड, आधार कार्ड, प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत बरवास के अनुसार सन्तोष पत्नी रामप्रसाद है। प्रार्थिया का नाम उक्त आराजीयात में सन्तरा पत्नी रामप्रसाद के बजाय सन्तोष पत्नी रामप्रसाद दुरुस्त किया जाना उचित बताया व इसी आशय की अभिशंषा पेरोकार सरकार नायब तहसीलदार द्वारा की गई व

हमने पत्रावली का अवलोकन किया। पत्रावली पर उपलब्ध जमाबंदी सम्वत् २०७५-२०७८ बाके ग्राम कंवरावास की खतौनी सं० ५७, ५८ में सन्तरा पत्नी रामप्रसाद दर्ज है जो कि रामप्रसाद की विरासत के समय दर्ज होना जाहिर है। पत्रावली पर उपलब्ध दस्ता० राशनकार्ड,

Ruby

फोटो पहचान, भामाशाह कार्ड, आधार कार्ड, सरपंच प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत के अनुसार सन्तोष पत्नी रामप्रसाद अंकित है। उक्त सभी दस्तावेजात प्रार्थिया के प्रार्थना पत्र की पुष्टि करते है। अर्थात् सन्तरा पत्नी रामप्रसाद के स्थान पर सन्तोष पत्नी रामप्रसाद किया जाना उचित है। रिपोर्ट पटवारी व अभिभाषक पैरोकार सरकार से भी प्रार्थना पत्र बखूबी प्रमाणित है।

लिहाजा प्रार्थना पत्र प्रार्थिया मुताबिक रिपोर्ट पटवारी, अभिभाषक तहसीलदार के अनुसार स्वीकार किया जाकर आराजियात वर्णित खतौनी संख्या 57 कुल किता 6 रकबा 3.53 हैक्टे, खतौनी सं. 58 कुल किता 1 रकबा 0.51 हैक्टे वाके ग्राम कंवरपुरा तहसील रोडा[illegible] में सन्तरा पत्नी रामप्रसाद के स्थान पर सन्तोष पत्नी रामप्रसाद दर्ज रिकार्ड किये जाने के आदेश दिये जाते है। शेष सभी अंकन बदस्तूर रहेंगे। तदनुसार पालनार्थ तहसीलदार को तहरीर जारी हो। पत्रावली फैसल शुमार होकर दर्ज रजिस्टर हो। हुक्म आज खुले न्यायालय में सुनाया गया।

Ruby